**Weather uncertainty increasing farmers cost of cultivation: NEFORD**
Amar Ujala, September 15, 2014

अमर उजाला | सोमवार | 15 सितंबर 2014 मऊ

# मौसम की अनिश्चतता से बढ़ रही खेती की लागत

## कार्यशाला में वैज्ञानिकों ने कृषकों को दी जानकारी

अमर उजाला ब्यूरो

**मऊ।** नेफोर्ड कट्स इंटरनेशनल के तत्वावधान में रविवार को अमरवाणी विकलांग संस्थान के सभागार में कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का विषय था बदलते परिवेश में कृषि उत्पादन में स्थाई व सतत विकास के लिए उन्नत तकनीकों का योगदान। बताया कि मौसम की अनिश्चतता से खेती की लागत बढ़ रही है। किसानों को नई तकनीक का इस्तेमाल कर खेती करनी चाहिए।

इस मौके पर नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय, बीज निदेशालय, कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व नेफोर्ड के वैज्ञानिकों ने किसानों को नई तकनीकों से अवगत कराया। नेफोर्ड के निदेशक डा. रामकठिन सिंह ने कहा कि आस्ट्रेलिया की सहायता से जयपुर स्थित कट्स इंटरनेशनल संस्थान ने दक्षिण एशिया में सतत व स्थायी विकास के लिए अनाज, जल, ऊर्जा संरक्षण के लिए आपसी सहयोग नामक एक परियोजना प्रारंभ की है। जिसे भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश तथा पाकिस्तान के कुल आठ गैर सरकारी संस्थान कार्यान्वित करेंगे। उनमें से नेफोर्ड भी एक है। यह प्रशिक्षण उसी परियोजना के तहत है। अब दिन ब दिन मौसम का मिजाज बदल रहा है। सूखा अथवा बाढ़ तापमान का अचानक बढ़ना या घटना नए-नए कीट व बीमारियों का प्रकोप फसलों को रुग्ण बना रहा है। मौसम की अनिश्चतता के साथ-साथ खेती में बढ़ती लागत भी एक बड़ी चिंता का कारण है। कृषि उत्पादन में स्थायी व सतत विकास के लिए परंपरागत खेती से नए तरीकों को अपनाना आवश्यक हो गया है। जीरो टील से गेहूं की बुआई, ड्रमसीडर से धान की सीधी बुआई, संडा व सी विधि के साथ कृषि उत्पादन में यंत्रीकरण आदि पर चर्चा की गई। संतोष मिश्र, सचिंद्र सिंह, वृजेश सिंह, विनीत त्रिपाठी, रामप्रकाश सिंह, जोखू सिंह, अशोक यादव आदि मौजूद रहे।

**हुए रूबरू**

**मौसम के अनुसार खेती से बेहतर होगा मुनाफा**